HARVEL AZUD
(An Indo-Spanish Joint Venture)

आलू

सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से आलू की खेती

हार्वेल अजूद – जल प्रबंधन के क्षेत्र में प्रसिद्ध नामों में से एक, हार्वेल ने वर्ष 1982 में भारत के किसानों के लिए स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली की डिजाइन, आपूर्ति और स्थापना के अपने मुख्य व्यवसाय के साथ परिचालन शुरू किया। हार्वेल भारत की एकमात्र कंपनी है जो सिंचाई के पूरे क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती है। हार्वेल अजूद, AZUD-Spain, सिंचाई और फिल्ट्रेशन सिस्टम में एक यूरोपीय प्रमुख और HARVEL-India, भारतीय सिंचाई इंजीनियरिंग में एक जाना–पहचाना नाम के बीच में एक ज्वाइंट वेंचर है।

आलू – सोलनसी परिवार का एक स्टार्चयुक्त कंद है। भारत दुनिया में आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। हमारे यहाँ आलू की उपज 20 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर से भी ज़्यादा है। आलू की फसल को कम मात्रा में सिंचाई की बार–बार आवश्यकता होती है। आलू की फसल उथली जड़ वाली होने के कारण यह पानी के प्रति सहनशील है।

खेत की तैयारी

1. आलू की बुआई से पहले मिट्टी भुरभूरी होनी चाहिए वा उसमे ढेले नहीं होने चाहिए।
2. 1–2 बार जुताई करें जो की 30–40 सेंटीमीटर गहरी हो जिससे मिट्टी भुरभूरी बने।
3. 1 से 2 बार कल्टीवेटर चलाकर ढेलो को तोड़े।
4. आलू की बुवाई प्लांटर द्वारा करे जिससे मृदा बनाने का और आलू लगाने का काम एक साथ हो जाए।
5. मिट्टी में गोबर की खाद वा उर्वरक मिलाये।

बीज उपचार – 1000 किलो आलू के बीज के उपचार के लिए 1 किलाो डायथेन एम–45, 200 ग्राम वाक्स्टीन तथा 5 किलों ग्राम टेलकम चूर्ण को मिलाकर बीजोपचार करें व बुवाई से 8–10 घंटे पहले छायादार जगह पर सुखायें।

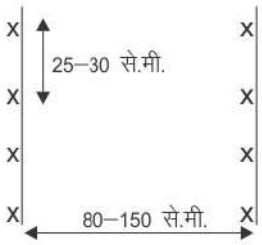

बुवाई की दूरी तथा गहराई

पंक्ति से पंक्ति	–	80–150 से.मी.
पौधे से पौधे	–	25–30 से.मी.
कंद की गहराई	–	10–12 से.मी.

बूँद बूँद सिंचाई – आलू की फसल के लिये बूँद बूँद सिंचाई पद्धति कई प्रकियाओं पर निर्भर है जैसे फसल की पंक्ति की दूरी, बुवाई का समय, मृदा का प्रकार व वातावरण परिस्थिति। आलू की फसल के लिये 16 मि.मी. की ड्रिपलाइन जो कि 2–4 लीटर पानी प्रति घंटे के हिसाब से प्रसाव देती है व जिसमें 0.3–0.6 मी. की दूरी पर ड्रिपर हो, सर्वोत्तम मानी गयी है।

फव्वारा सिंचाई – फव्वारा सिंचाई आलू की सर्वोत्तम फसल के लिये एक बहुत ही कारगर पद्धति है। आलू की फसल के लिये मिनी स्प्रिंकलर 8–10 मी. की दूरी पर औस्तन 450 ली. प्रति घंटे के हिसाब से प्रभाव देता हो, सर्वोत्तम माना गया है।

महीना	पानी की आवश्यकता	
	मि.मी./दिन	ली./हक्टेयर/दिन
नवम्बर	0.75–0.87	7500–8700
दिस्मबर	1.61–2.03	16100–20300
जनवरी	5.32–6.07	53200–60700
फरवरी	4.01–4.40	40100–44000

आधार खाद :
गोबर खाद : 5-6 टन/एकड
सिंगल सुपर फोस्पेट : 200 कि.ग्रा./एकड
मॅगनिशियम सल्फेट : 10 कि. ग्रा./एकड
सुक्ष्म पोषक तत्व : 5 कि.ग्रा./एकड

तापमान :
अंकुरण - 20° सें. - 25° सें
फसल वृद्धी - 24° सें.
आलू बनते समय - 18° सें. - 20° सें

उर्वरकीकरण निर्धारण / एकड

फसल अवस्था	दिन	अवधि दिन	पोषक तत्व कि. ग्रा./एकड			प्रति एकड़ पोषक तत्व के लिए खाद की मात्रा					
			न (N)	प (P2O5)	क (K2O)	युरिया	अमोनियम सल्फेट	फॉस्फोरिक अम्ल	पोटेशियम नाइट्रेट 13:0:45	एम. ओ. पी (सफेद)	एस.ओ.पी. 0:0:50
अंकुरण	0.16	16									
कायिक अवस्था	17-30	14	25	5	10	35	40	8		17	
आलू निर्धारण का समय	31-40	10	15	5	25	20	20	8	5	38	
आलू बनते समय	41-55	15	10		30	20	10		5	40	10
आलूबडा होते समय	56-70	10	3		10	7				10	8
आलू बडा होते समय	70-90	20									
कुल			53	10	75	82	70	16	10	105	18

फसल संरक्षण

रोग एवं बिमारी	उपाय
चुसने वाले कीट	1) एक्तारा 0.4 ग्राम / लि. का प्रयोग करें। 2). पेगासस 0.3 मिली/ली. का प्रयोग करें। 3) इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली/ली. का प्रयोग करें। (विषाणु रोग के बचाव के लिए)
झुलसा रोग (अर्ली व लेट)	1) आने से पहले एम-45 2.5 ग्राम/लि. प्रयोग करे। 2) साइमोक्सेलिन (करजेट) 2-3 ग्राम/लि प्रयोग करें। 3) क्लोरोपेलोलिन (कवच) 2 ग्राम/लि प्रयोग करें। 4) रिडोमील (मेटलएक्सील) 2-3 ग्राम/लि प्रयोग करे।

HARVEL AZUD
(An Indo-Spanish Joint Venture)
HARVEL AGUA INDIA PRIVATE LIMITED
(An Indo-Spanish Joint Venture)
Irrigation | Protected Cultivation | Filtration | Farm Automation
ISO 9001:2015 | ISO 14001:2015 | ISO 45001:2018 Certified Company
301-304 Meghdoot, 94 Nehru Place, New Delhi
Tel: +91-11-46224444, Toll free No : 1800 11 6070

अधिकृत वितरक

GROUP COMPANIES:
HARVEL | HARVEL AZUD | HARVEL Greens